वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 170 | मंगलवार 17 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# 'अपने-अपने राम' के दूसरे दिन कुमार विश्वास ने छोटी काशी में रामकथा का बांधा समां

## भगवान श्रीराम की कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए राज्यपाल। मंगलवार को होगा त्रि-दिवसीय 'अपने-अपने राम' का अंतिम सत्र

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

छोटी काशी के विद्याधर नगर स्टेडियम में विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के तत्वावधान में चल रहे 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का शुभारंभ अंकिशा श्रीवास्तव ने म्हारो बेड़ो पार लगा दीज्यो सालासर हनुमान भजन से की। इसके बाद भजन कलाकार आकाश ने पार ना लगोगे श्रीराम के बिना भजन की प्रस्तुति दे श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।

### राम संकटों से कभी नहीं हुए विचलित

अपने-अपने राम के द्वितीय सत्र को संबोधित करते हुए उद्बोधनपीठ से सुप्रसिद्ध कवि एवं लेखक डॉ. कुमार विश्वास ने 'भगवान श्रीराम की कथा जीवन में उत्साह भर देती है' विषय पर उद्बोधन दिया। समिति सचिव अनिल संत ने बताया कि डॉ. कुमार विश्वास ने भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित प्रेरक प्रसंगों को वर्तमान जीवन शैली से जोड़कर उनकी व्याख्या की। उन्होंने कहा कि राम ने मनुष्य लीला कर मानव जाति को ये संदेश दिया है कि उनके जीवन में कष्ट ही कष्ट थे। राज्याभिषेक की जगह उन्हें 14 वर्ष का वनवास मिला और वहां भी पत्नी का हरण हो गया, प्रिय भाई लखन को शक्ति लगी लेकिन वे विचलित नहीं हुए जबकि आज की युवा पीढ़ी ट्रांसफर होने से, आईआईटी का पहला एटेम्प्ट क्लियर नहीं होने या थोड़ा सा घाटा होने पर आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठा लेती है। कविवर ने कहा कि इतना कुछ सहने के बाद भी श्रीराम ने पृथ्वी पर मानवता के लिए उत्पन्न हुए रावणरूपी संकट को उसके घर में जाकर खत्म किया ताकि लोग दशहरा और दिवाली मना सके। इसलिए युवकों को चाहिए कि जो अवसर खो दिया उसको अंतिम न मानें बल्कि और ज्यादा मेहनत करें।

### अपने-अपने राम सुनने बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

शाम 6 बजे विद्याधर नगर स्टेडियम में ''अपने-अपने राम'' के मंच पर जैसे ही कुमार विश्वास पहुंचे दर्शकों ने ताली बजाकर खड़े हो उनका अभिवादन किया। कुमार विश्वास की आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि व शानदार आध्यात्मिक संगीत से भरे इस कार्यक्रम में सबसे ज्यादा संख्या युवाओं की रही। कुमार विश्वास ने बताया कि श्रीराम के माध्यम से जीवन प्रबंधन का पाठ कैसे सीखा जा सकता है।

### भजनों ने किया भाव-विभोर

डॉ. विश्वास ने जब मानवता की खुली आँख के सबसे सुंदर सपने राम और मैया तैने का ठानी मन में भजन सुनाया तो श्रोता भाव-विभोर हो गए। कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, स्वामी बालमुकुन्दाचार्य और पुनीत कर्णावट सहित राजनीतिक लोग, प्रशासनिक अधिकारी, न्यायिक अधिकारी और गणमान्य जन उपस्थित रहे। अपने-अपने राम कार्यक्रम का अंतिम सत्र मंगलवार को होगा।

# वार्षिक उत्सव कार्यक्रमः सामूहिक कलशाभिषेक समारोह के साथ समापन

## चौसठ रिद्धि मण्डल विधान की हुई महाआराधना

**विमल जोला. शाबाश इंडिया**

**निवाई।** श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गांव नला में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव के दौरान सामूहिक कलशाभिषेक के साथ समापन हुआ जिसमें गाजे बाजे से भगवान नेमीनाथ की एवं चौसठ रिद्धि मण्डल विधान अनुष्ठान किया गया। कार्यक्रम संयोजक विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि पण्डित सर्वज्ञ शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा भगवान नेमीनाथ का सामूहिक कलशाभिषेक समारोह आयोजित किया गया जिसका सौभाग्य उमराव देवी, राहुल टोंग्या, मोनू टोंग्या, कनिष्क जैन, पवन प्रभा टोंग्या, विजेता जैन, सतीश जैन, डाक्टर वत्सल टोंग्या एवं श्रावक टोंग्या को भगवान नेमीनाथ की माला पहनने का सौभाग्य मिला। मनन दत्तवास ने बताया कि कार्यक्रम के सोधर्म इन्द्र विनोद पाटनी परिवार द्वारा चौसठ रिद्धि मण्डल विधान आयोजित किया गया जिसमें पण्डित सर्वज्ञ शास्त्री के निर्देशन मे सभी इंद्र इन्द्राणियो ने भक्ति पूर्वक आराधना की। कार्यक्रम में संगीतकार दुर्गा एण्ड पार्टी द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी। इसके बाद भगवान नेमीनाथ की विशेष महाआरती की। कार्यक्रम में हेमचंद संधी महावीर प्रसाद पराणा शिखरचंद काला महेंद्र चंवरिया नवरत्न टोंग्या पुनित संधी मनन दत्तवास शंभु कठमाणा ताराचंद गोयल हुकमचंद जैन पारसमल संजय प्रेस मूलचंद पांड्या परिष्का जैन श्राविका जैन विमल सोगानी दिनेश सोगानी पदमचंद जैन महावीर प्रसाद जगतपुरा प्रेमचंद सोगानी पारसमल बड़ागांव महावीर प्रसाद छाबड़ा राजेश झिलाय हितेश छाबड़ा पिन्चू संधी त्रिलोक पांडया ज्ञानचंद सोगानी अशोक सांवलिया सहित अनेक लोग मौजूद थे।

## सर्वतोभद्र मंडल विधान मे आज 14 पूजा संपूर्ण हुई

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति मीरा मार्ग जयपुर के तत्वावधान में चल रहे सर्वतोभद्र विधान के आज चतुर्थ दिन में 14 पूजाएं संपन्न हुई। इस विधान में 8 दिन में 85 पूजाएं संपन्न होगी। आचार्य वसुनंदी महाराज के तीन परम प्रभावक शिष्यों में से मुनि श्री जिनानंद जी महाराज ने प्रवचन में बताया कि एक सामान्य मनुष्य का तन,मन, धन, यौवन, शक्ति तब तक व्यर्थ है जब तक इसका सदुपयोग धर्म के काम में ना हो। गन्ने का वह हिस्सा जिसमें रस नही निकलता है परंतु जमीन में गाड़ने पर नयी पौध तैयार हो जाती है।

## तप त्याग और आदर की चादर ओढ़ाकर मनाया साध्वी प्रितीसुधा का जन्मोत्सव अहिंसा भवन में

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया।** तप त्याग से मनाया गया साध्वी प्रितीसुधा का जन्मदिवस। सोमवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर चातुमार्सार्थ विराजमान प्रखर वक्ता डॉ.प्रितीसुधा का जन्मदिवस महासती उमराव कंवर, साध्वी मधुसुधा, नव दीक्षिता संयम सुधा के सानिध्य मे श्रध्दांलूओ ने सामायिक दया और एकासन व्रत के जन्म दिन मनाया इसदौरान साध्वी प्रितीसुधा ने सभी श्रध्दांलूओ को आशीर्वाद और मंगल पाठ देतें हुए कहा कि जन्मदिवस मनाना उसी का सार्थक होता है जो जिनशासन की प्रभावना करते हुए संघ व समाज के लिए समर्पित होता है। और समाज के गौरव को बढ़ाने के साथ असहाय पीड़ित मानवता की सेवा के लिए कार्य करने चाहिए तभी जन्मोत्सव मनाना सार्थक होगा। इस संसार मे सुर दुलर्भ भव प्राप्त करने के बावजूद मनुष्य जीवन मे कुछ नहीं कर पाता है तो वह जीवन को पवित्र और अपनी आत्मा को उज्जवल नहीं बना सकता है। मानव बनकर भी किसी मानव के काम नहीं आप आए तो उसका दुनिया में जन्म लेना निरर्थक और व्यर्थ है। इस दौरान अहिंसा भवन शास्त्री नगर श्रीसंघ अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल, अशोक पोखरना,हेमंत आंचलिया, रिखबचंद पीपाड़ा, संदीप छाजेड़,अमरसिंह संचेती,अमरसिंह बाबेल आदि की उपस्थिति मे चंदनबाला महिला मण्डल की अध्यक्षा नीता बाबेल,संजूलता बाबेल, मंजू पोखरना,उमा आंचलिया,रजनी सिंघवी,मंजू बापना,सुनीता झामड़, सुशीला छाजेड़,वनिता बाबेल,सरोज मेहता,वंदना लोढ़ा,कमला चौधरी, कैलाश चौधरी आदि ने साध्वी प्रितीसुधा को आदर की चादर ओढ़कर उनके मंगलमय स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना करतें हुए संयम जीवन गुरू गुरूणी के यश किर्ती बढ़ाने प्रभु वीर से प्रार्थना की गई। प्रवक्ता निलिष्का जैन बताया इसदौरान जन्म दिवस एवं साध्वी संयम सुधा के 31 उपवास पर महिला मंडल द्वारा चौबीसी कार्यक्रम रखा गया जिसमे सैकड़ो बहनों ने तप की अनूमोदना करते हुए तपस्या के मंगल गीत गाए गये जन्मोत्सव कार्यक्रम पर गौतम प्रसादी के लाभार्थी संजूलता- लक्ष्मण सिंह बाबेल का श्रीसंघ के पदाधिकारियों ने बहुमान किया गया। **प्रवक्ता निलिष्का जैन**

# यूएसए में धूम-धाम से मनाया दशलक्षण महापर्व

**न्यूजर्सी, अमेरिका. शाबाश इंडिया।** यूं.एस.ए.के न्यूजर्सी शहर में स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में दशलक्षण महापर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया। वर्तमान में न्यूजर्सी में प्रवास कर रहे दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग, जयपुर के मंत्री डा. राजेन्द्र कुमार जैन ने न्यूजर्सी से विज्ञप्ति में बताया कि 10 दिन तक आयोजित दशलक्षण महामण्डल विधान पूजा में 100 से अधिक महिलाओं व पुरुषों ने बहुत भक्ति भाव से इन्द्रानी व इन्द्रों के रूप में भाग लेकर मण्डल पर अष्टद्रव्यों के अर्घ्य चढ़ाये। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर के अध्यक्ष विजय शाह ने बताया कि न्यूजर्सी के आस -पास के 3 राज्यों में 700 से अधिक दिगम्बर जैन परिवार निवास करते हैं तथा समय-समय पर मन्दिर में आयोजित समारोह में बहुत उत्साह से भाग लेतें है । इस वर्ष 19 श्रद्धालुओं ने दशलक्षण महापर्व के 10 दिन तक उपवास किये थे । विधान की समाप्ति पर इन तपस्वियों को सजी-धजी खुली कारों में बैठाकर प्रमुख मार्गों में भव्य शोभायात्रा निकाली गई । शोभा यात्रा में 500 से अधिक जैन श्रद्धालु जैन भजनों की धुनों पर नृत्य करते चल रहे थे। जैन धर्म की जय , महावीर भगवान की जय आदि धार्मिक नारों से न्यूजर्सी का आकाश गुंजायमान हो उठा। 19 तपस्वियों में डा. राजेन्द्र कुमार जैन के अनुज प्रमोद जैन की पत्नी श्रीमती संगीता जैन भी शामिल थी । श्रीमती संगीता जैन ने लगातार तीसरे वर्ष भी 10 दिन के उपवास किये थे।

## इंसान का मर्यादाविहीन जीवन बन जाता दुःख का कारणः इन्दुप्रभाजी म.सा.

### इच्छाओं को सीमित कर लिया तो जीवन का हो जाएगा कल्याणः दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया।** मर्यादा के बिना सुखी जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मर्यादाविहीन जीवन दुःख का कारण बन जाता है। रामायण के पात्रों से सीख सकते है जीवन में मर्यादा किस तरह रखनी चाहिए। उसका हर चरित्र मर्यादा की सीख प्रदान करने वाला है। हमारे परिवार ओर समाज हर जगह मर्यादा रहने पर प्रगति होगी ओर मर्यादाओं की पालना नहीं होने पर मुश्किले उत्पन्न होती है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में सोमवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान जैन रामायण का वाचन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि किस तरह राम वन में जा रहे होते है तो सीता तुरन्त साथ जाने के लिए तैयार हो जाती है। वहीं भाई लक्ष्मण भी साथ नहीं छोड़ना चाहते है। सभी एक दूसरे के लिए त्याग करने की भावना रखते है। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि इच्छाएं अनंत होती है वह कभी पूर्ण नहीं होती। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। ऐसे में इच्छाओं का दास बनने की बजाय उन्हें अपनी दासी बनाए। जीवन में इच्छाएं सीमित ओर नियंत्रित करना सीख गए तो कल्याण के पथ पर आगे बढ़ जाएंगे। इच्छाओं के गुलाम बने रहने पर जीवन में दुःख ओर कष्ट ही मिलने वाले हैं।

## वेद ज्ञान

# सत्य का पालन करना ही संतत्व का मुख्य गुण

सत्य का पालन करना ही संतत्व का मुख्य गुण है। संतत्व के लिए गृह-त्याग की आवश्यकता नहीं होती है, बल्कि सच्चा संत वही है जिसके व्यवहार, बोलचाल और विचारों में सच्चाई हो। फिर चाहे वह धर्म क्षेत्र में हो या फिर सामाजिक जीवन व्यतीत कर रहा हो। संत किसी दूसरे से गलत बोलने या व्यवहार करने से पहले उसके स्थान पर खुद को रखता है और यह मनन करता है कि जब गलत बोलने या व्यवहार से उसके स्वयं के मन को ठेस लगती है तो निश्चित तौर पर ऐसा आचरण किसी को भी अच्छा नहीं लगेगा। ऐसा सोचते ही वह दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करने लगता है, जैसा वह दूसरों से अपने अपने लिए चाहता है। कहा गया है कि किसी व्यक्ति ने चाहे कितने ही शास्त्र क्यों न पढ़े हों, लेकिन जब तक वह शास्त्रों में दिए गए ज्ञान को अपने आचरण में नहीं उतारता है तो उसका शास्त्र पढ़ने का कोई फायदा नहीं है, क्योंकि सबसे बड़ा ज्ञान व्यावहारिक ज्ञान है। संतत्व का एक गुण क्षमाशीलता भी है। दूसरों के गलत सोचने-बोलने-करने के बावजूद यदि मनुष्य उसके साथ पूरी सहनशीलता के साथ सद्भाव रखे तो यही क्षमाशीलता है। संत सभी के प्रति समान भाव रखता है, क्योंकि वह हर प्राणी में ईश्वर को देखता है। इसलिए उस पर किसी भी तरह के व्यवहार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। संतत्व का यह विशेष गुण है कि जब उसका मान-सम्मान होता है तो उसे अभिमान नहीं होता और जब कभी उसका अपमान हो तो भी वह अहंकार नहीं करता। प्रत्येक परिस्थिति में उसकी वाणी, विचार और व्यवहार एक समान रहते हैं। इसी तरह दया भी संतत्व का एक विशेष गुण है। दयालुता मनुष्य को सरल और निस्वार्थ बनाए रखती है। दयालु व्यक्ति मानवता का सम्मान करता है। इसलिए दूसरों के कष्टों को देखकर उसे भी कष्ट महसूस होता है और वह अपने उपलब्ध संसाधनों से उनके कष्टों को दूर करने का प्रयास करता है। इस तरह वह समस्त प्राणी जगत से जुड़ जाता है और उसे दूसरों से आंतरिक प्रेम और सद्भाव प्राप्त होता है। ऐसे लोगों में कभी भी विचार-हीनता या कठोरता नहीं आती है।

## संपादकीय

# बढ़ते कर्ज और घटती बचत के मायने

हाल ही में जारी भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल भारतीयों पर घरेलू कर्ज का बोझ काफी बढ़ा है। इससे उनकी बचत घटी है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2022-23 में घरेलू बचत सालाना 2.5 प्रतिशत घटकर जीडीपी की करीब पांच फीसदी रह गई है। कई विश्लेषकों ने लिखा है कि हमें इस तस्वीर को बदलना चाहिए। पारंपरिक आर्थिक सिद्धांत के मुताबिक बताया यही गया है कि भारत सरकार और कॉरपोरेट क्षेत्रों को निवेश योजनाओं के लिए पूंजी की जरूरत है, ताकि आर्थिक विकास को गति मिले। साथ ही, इस बात की भी चिंता है कि घरेलू कर्ज अस्थिर स्तर पर पहुंच रहा है। आखिर ये चिंताएं कितनी जायज हैं? इसके क्या कारण हो सकते हैं, और क्या हमें इसे लेकर चिंतित होना चाहिए? आइए, इसको बिंदुवार समझने की कोशिश करते हैं। पहली बात, अभी हमारे पास रियल एस्टेट और सोने के रूप में घरेलू (भौतिक) बचत का पिछले साल का आंकड़ा नहीं है। चूंकि आवास

ऋण के लिए परिवारों ने खासा कर्ज लिया है, इसलिए अचल संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी बढ़ने की संभावना है। नोटबंदी के बाद रियल एस्टेट के लेन-देन यदि औपचारिक क्षेत्र में अधिक होते, तो औपचारिक वित्तीय बाजार बढ़ा हुआ दिखता। इसके अलावा, लोग गाड़ी खरीदने के लिए भी कर्ज ले रहे हैं, जो टिकाऊ संपत्ति का ही एक रूप है। बैंकों का बकाया वाहन कर्ज 2022-23 में 25 फीसदी तक बढ़ा है। इसमें भी बड़े वाहनों के लिए कर्ज देने वाली गैर-बैंकिंग कंपनियां काफी आगे निकल गई हैं। दूसरी बात, कोविड के बाद आर्थिक विकास को संजीवनी हमारे घरेलू व्यवहार से ही मिल सकती थी। इसमें टिकाऊ वस्तुओं, ऑटोमोबाइल और घरों की खरीदारी की भूमिका अहम रही। इसके बिना कॉरपोरेट निवेश वापस पटरी पर नहीं लौट पाता है। बचत वास्तव में ऐसा उपभोग है, जो बाद में किया जाता है, जबकि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हमें तत्काल उपभोग करने की जरूरत होती है। तीसरा बिंदु, भारतीय अपनी ज्यादातर बचत अब शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड के माध्यम से कर रहे हैं। जब स्टॉक और रियल एस्टेट के दाम बढ़ते हैं, तो लोग खुद को अधिक अमीर महसूस करने लगते हैं। नतीजतन, जितना उनको करना चाहिए, वे उससे कम बचत कर सकते हैं। उन्हें इक्विटी बेचने पर वास्तविक पूंजीगत लाभ भी महसूस होता है, जो हकीकत में बचत नहीं माना जाता। चौथी बात, सरकार अब कम आय वाले लोगों को सालाना पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देती है। इसका भी एक अनपेक्षित नतीजा कम बचत के रूप में निकल सकता है। परिवारों के लिए, विशेष रूप से कम आय वाले लोगों के लिए, अपनी आमदनी से अधिक खर्च करना वाजिब जान पड़ता है। पांचवां बिंदु, औपचारिक अर्थव्यवस्था में लगातार विस्तार देखा गया है। इसमें कामकाजी लोगों के पास अमूमन सेवानिवृत्ति और पेंशन फंड की सुविधा होती है। वर्ष 2022-23 में कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्यों की संख्या में 1.39 करोड़ की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले दो वर्षों में यह संख्या क्रमशः 1.22 करोड़ और 77 लाख थी। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# भारतीयों की चिंता...

दुनिया में शायद ही कोई संघर्ष ऐसा होगा, जिसका असर भारतीयों पर न पड़ता हो। पिछले वर्ष के शुरू में भारत ने अपने लगभग 18,000 छात्रों को यूक्रेन से निकालने के लिए ऑपरेशन गंगा चलाया था और अब इजरायल से लोगों को निकालने के लिए सरकार ने ऑपरेशन अजय की शुरूआत की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पहली खेप में लगभग 230 लोग को वापस लाने की सूचना है। भारतीयों की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायली प्रधानमंत्री से बात हुई थी और सुरक्षा का आश्वासन मिला था। फिर भी जिस तेजी से पश्चिम एशिया में स्थितियां बिगड़ रही हैं, उसे देखते हुए भारतीयों का वहां निकल आना ही बेहतर है। इजरायल का पूरा इलाका अब संकटग्रस्त हो गया है और आने वाले दिनों में मुमकिन है कि वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल भारतीयों की वापसी के लिए करना पड़े। इजरायल भी भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है, लेकिन फिलहाल उसका ज्यादा ध्यान अपने दुश्मनों से बदला लेने पर है। ऐसे में, इजरायल भी खतरे में है, हजार से ज्यादा लोग इजरायल में ही जान गंवा चुके हैं। ध्यान रहे, एक-एक भारतीय की जान कीमती है और भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी ही चाहिए। यह पश्चिम एशिया के संघर्ष का सबसे दुखद पहलू है कि यहां निर्दोष लोगों को भी निशाना बनाया जाता है। सांप्रदायिक आधार पर दोनों पक्ष युद्ध करते हैं, मगर दोनों में से कोई पक्ष अपने संप्रदाय के सद्भावी संदेशों से सबक नहीं लेता है। ऐसे में, भारत ही नहीं, दूसरे देशों के नागरिकों की भी मदद करनी चाहिए। भारत सरकार ने रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भी ऐसा किया था। ऐसा नहीं है कि भारत अपने सभी नागरिकों को इजरायल से वापस ले आएगा, जो भी नागरिक वहां से लौटना चाहते हैं, लौट सकते हैं। करीब 20,000 भारतीय इजरायल में रहते हैं और यह अच्छी बात है कि अभी तक सभी सुरक्षित हैं। इजरायल भी ऐसी खुली लड़ाई में कूद पड़ा है, जिसमें उसे बदला लेने की ज्यादा चिंता है और नागरिकों की परवाह अपेक्षाकृत कम है। ध्यान देने की बात है कि इजरायल ने सीरिया और लेबनान में भी कुछ ठिकानों को निशाना बनाया है। भारत सरकार को केवल इजरायल में रह रहे भारतीयों की ही नहीं, बल्कि लेबनान में रह रहे करीब 8,000, जॉर्डन में रह रहे 20,000 और मिस्र में रह रहे 4,000 भारतीयों के बारे में भी फिक्रमंद होना चाहिए। युद्ध ज्यादा भड़का, तो कतर तक उसकी आंच पहुंच सकती है और कतर में 75 हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। खबर है कि इजरायल ने दमिश्क और अलेप्पो हवाई अड्डों को निशाना बनाया। इन हवाई अड्डों से उड़ानें रोकनी पड़ी हैं। युद्ध को और भड़कने से रोकना जरूरी है, ताकि लोगों को अपना कामकाज या घर-बार छोड़कर भागना न पड़े। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अगर इजरायल पहुंचे हैं, तो उन्हें शांति-स्थापना के लिए प्रयास करने चाहिए। फलस्तीन या हमास के पक्ष में खड़े हो रहे अरब देशों को भी शांति के लिए प्रयास करने चाहिए। युद्ध को राजनीति या व्यवसाय का माध्यम नहीं बनाना चाहिए। भारत को भी अपनी ओर से कोशिश करनी चाहिए कि यह युद्ध जल्दी से जल्दी शांत हो। साथ ही, यह सोचने का भी समय आ गया है कि भारतीयों को उन देशों में जाने से बचना चाहिए, जहां जोखिम ज्यादा है। कामगारों और विद्यार्थियों को उन्हीं देशों का चयन करना चाहिए, जहां शांति सुनिश्चित है।

# राजस्थान जैन साहित्य परिषद् की मासिक संगोष्ठी सम्पन्न

## ''स्वाधीनता संग्राम आन्दोलन में जैनों का योगदान''

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

राजस्थान जैन साहित्य परिषद् की ओर से श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मन्दिर चौमूबाग, सांगानेर में प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमलकुमार जैन की अध्यक्षता में मासिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय- स्वाधीनता संग्राम आन्दोलन में जैनों का योगदान था। सर्व प्रथम अशोक कुमार, रोहित कुमार, मोहित कुमार जैन छाबडा परिवार के द्वारा भगवान पार्श्वनाथ के चित्र का अनावरण एवं द्वीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात जैन संस्कार पाठशाला के बच्चों द्वारा सुंदर मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। प्रबन्धकारिणी समिति चौमूबाग द्वारा सभी आगन्तुक अतिथियों का सम्मान किया गया। संगोष्ठी संयोजक महावीर कुमार चांदवाड ने संगोष्ठी की पृष्ठ भूमि के महत्व पर प्रकाश डाला। परिषद् मंत्री हीराचन्द बैद ने परिषद् का परिचय गतिविधियों की जानकारी एवं सदस्य बनने के लिए आह्वान किया। रमेशचन्द गंगवाल ने जैन स्वतंत्रता सैनानियों को स्मरण करते हुए संगोष्ठी के प्रथम वक्ता डॉ. सोमबाबू शर्मा, अपभ्रंश साहित्य अकादमी जयपुर को आमंत्रित किया। सोमबाबू ने जैन कवयित्री श्रीमती शान्तिदेवी के काव्यांश- ₹रक्त बहाये बिना जगत में, नहीं किसी को सत्व मिला है₹ एवं जयपुर के जैन कवि- ₹धनुष अहिंसा शर सत्याग्रह, आजादी पानी है₹ सुनाकर स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि तैयार की। कन्हैयालाल सेठिया का गीत- ₹हरे घास री रोटी ही, जद बिलावडो ले भाग्यो। नान्हो सो अमरियो चीख पडयो, राणा रो सोयो दुख जाग्यो' सुनाया। पुत्र की व्यथा ने महाराणा को तोड दिया। अकबर को संधि हेतु लिखा। पत्र दरबार में कवि पृथिवी राज (पाथल) से पढ़वाया गया। अकबर ने मजाक उढाया। पाथल ने राणा को पत्र लिखा। स्वाभिमान जगा। आन बान शान के लिए जीवन समर्पण करने वाले मेवाड की शान महाराणा प्रताप को सैन्य गठन हेतु जैन भामाशाह ने इतना धन अर्पित किया जिससे 25 हजार सैनिक के लिए 12 वर्ष तक सैन्य सामग्री, वेतन एवं भोजन व्यवस्था हो सके। इसी प्रकार झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को ग्वालियर युद्ध के बाद अमरचन्द बांठिया (जैन) के द्वारा जीवन की परवाह किये बिना स्व सम्पत्ति अर्पण करना जैनों के योगदान को दिशा प्रदान करता है। पण्डित चैनसुखदासजी जैन के कथन- प्रत्येक देश को स्वाधीन रहने का अधिकार है, जो उसे छीनना चाहे, उससे पूरी ताकत से लडकर प्राप्त करना राष्ट्रीयता है। इसके बाद आपने जयपुर और राजस्थान के अनेक स्वतंत्रता सेनानियों की मय विवरण सूची पेश की। संगोष्ठी के द्वितीय वक्ता अम्बरीश बर्धन , केसरिया जोत संस्थान जयपुर थे। उन्होंने सत्य अहिंसा को भारतीय जीवन शैली कहा। अहिंसा की स्थापना के लिए और देश की आजादी के लिए जैनों के योगदान को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने जैन स्वतंत्रता सैनानी श्री अर्जुनलालजी सेठी के योगदान को राजस्थानी भाषा में ही पूरे जोश के साथ रेखांकित किया। जयपुर निवासी सेठीजी ने राजनीतिक आन्दोलन के प्रशिक्षण हेतु वर्धमान विद्यालय की

स्थापना की। आन्दोलन के लिए धन लूट, चांदनी चौक दिल्ली में अंग्रेजों पर बम्ब फैकना, बम्ब निर्माण, 5 साल की कारावास, मद्रास जेल में कैदियों पर अत्याचार के विरुद्ध 70 दिन भूख हडताल आदि के कुछ महत्वपूर्ण प्रसंग हैं। आप को राजस्थान स्वतंत्रता आन्दोलन का जनक एवं राजस्थान कांग्रेस पार्टी का संस्थापक माना जाता है। आपके नाम पर जयपुर में एक कालोनी एवं एक उद्यान का नाम रखा गया था। इसके वाद डॉ.अरविन्द कुमार जैन (अध्यक्ष दि.जैन महासमिति,चोमू बाग इकाई) ने कहा कि देश, धर्म, परिवार की रक्षा के लिए लड़ना भी श्रावकों का धर्म है। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव ने असि की शिक्षा दी है। प्रथम चक्रवर्ती भरत ने अहिंसा धर्म की स्थापना के लिए छहखंडों को जीतकर सन्देश दिया है। सभी तीर्थंकर, नारायण, बलभद्र आदि महापुरुष जैन क्षत्रिय थे जिन्होंने क्षत्रिय धर्म को अपनाया। विम्वसार, चन्द्रगुप्त, खारबेल , अशोक महान सम्राट हुए और अहिंसा की स्थापना के लिए युद्ध भी लड़े। मुनियों की अहिंसा महाव्रत है जो केवल आत्मकल्याक के लिए है परन्तु श्रावक स्व पर दोनों के लिए धर्म पालन करता है। आज सम्मेदशिखरजी और गिरनार पर अनावश्यक कब्जा किया जा रहा है। अब हमें धर्म के लिए लडना है जैसे देश की आजादी के लिए लडे थे। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. विमल कुमार जैन (परिषद् अध्यक्ष) ने डॉ. कपूरचन्दजी के साथ जैन सैनानियों के जीवन वृत्त संग्रह के दौरान आये विषम प्रसंगों को बताया एवं धर्म हित लड़ने के लिए सावधान रहने एवं समय आने पर संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। इसके बाद परिषद् की ओर से दोनों वक्ताओं का माला, शॉल, प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। जिनवाणी रथ यात्रा सहयोग के लिए भागचन्द दुर्गापुरा का सम्मान किया गया। परिषद् द्वारा आयोजक मन्दिर कमेटी प्रेमचन्द बडजात्या, मंत्री पारसमल सोगानी, संयोजक जय कुमार अजमेरा एवं द्वीप प्रज्वलन कर्ता परिवार अशोक कुमार रोहित कुमार मोहित कुमार छाबडा का सम्मान किया गया एवं साहित्य भेंट किया गया एवं अन्य सभी को वितरित भी किया गया। संगोष्ठी का संचालन रमेश चन्द गंगवाल ने एवं कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन पारस मल सोगानी ने किया। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबंध समिति, दिगम्बर जैन महासमिति के पदाधिकारी सर्व डॉ. अरविंद कुमार जैन, राजकुमार गोधा, बाबूलाल लुहाड़िया, आशीष पाटनी , श्रीमती कमलाजी अजमेरा एवं महिला मंडल- अध्यक्ष श्रीमती सरोज सोगानी, मंत्री श्रीमती दीपशिखा अजमेरा, जैन संस्कार पाठशाला की मुख्य शिक्षिका श्रीमती सरोज जैन का पूर्ण योगदान रहा। अन्त में जिनवाणी स्तुति, कायोत्सर्ग कर सभा का विसर्जन किया गया। समाज द्वारा सभी आगंतुक एवं स्थानीय महानुभावों के लिए अल्पाहार की सुंदर व्यवस्था की गई। अंत में मंदिर अध्यक्ष प्रेमचंद बडजात्या के द्वारा कार्यक्रम के आयोजकों अर्थात दिगंबर जैन महा समिति के अध्यक्ष, मंत्री एवं महिला मंडल की अध्यक्ष, मंत्री एवं कार्यक्रम में सहयोग करने वालों का आभार प्रकट किया गया।

# युवा समाजसेवी प्रियम जैन हुए सम्मानित

**सनावद. शाबाश इंडिया**

निर्यापक श्रमण पूज्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक गंभीर सागर जी महाराज के शुभाशीर्वाद तथा सानिध्य में आगरा उत्तर प्रदेश में हुए अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद के 41 वें अधिवेशन में सनावद के युवा विद्वान तथा समाजसेवी प्रियम जैन का दिगंबर जैन समाज धर्म प्रभावना समिति दिगंबर जैन मंदिर हरिपर्वत आगरा द्वारा तिलक, माल्यार्पण तथा उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रियम जैन के सम्मानित होने पर धीरेन्द्र बाकलीवाल, आकाश डोसी,यश कोचर, शैलेन्द्र जैन, कृष्णपाल पंवार, युवराज तोमर, मेघवाहन सोलंकी, उज्जवल जैन, अतुल पगारे, अंकित सोलंकी ने हर्ष व्यक्त किया।

# मां- बाप और गुरू की सेवा करने वाला व्यक्ति जीवन में कभी भटक नहीं सकता है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। बड़ों की सेवा और सानिध्य प्राप्त करने वाला व्यक्ति जीवन में कभी भी भटक नहीं सकता है। सोमवार साहुकारपेट जैन भवन महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन मे छोटीसी उपल्ब्धि मिल जाने पर अपने आप को भगवान समझने लग जाता है और अपनें मां बाप और गुरु के उपकारो को भूलकर उनका तिरस्कार और अपमान करने वाला व्यक्ति जीवन मे कितनी भी सफलता प्राप्त कर लेवें। उस इंसान को परमात्मा भी माफ करने वालें नहीं है। जिस मनुष्य ने अपने मां बाप और गुरू की सेवा की उसके जीवन में कितनी भी आपत्ति

और विपत्ति एवं संकट आ जाए वह जीवन मे कभी असफल नहीं हो सकता है क्योंकि बुजुर्गों से प्राप्त कि गई शिक्षा और अनुभव से वह संकट मे भी सही मार्ग खोज लेगा। और जो व्यक्ति अपने बड़ो और परिवार अपमान करता और उन्हें दुखः देता है ऐसा व्यक्ति कभी भी किसी का भला नहीं कर सकता है। सेवा करने वाला इंसान ही आगे बढ़ता और जीवन मे सपलता को प्राप्त करता है। साध्वी स्नेहप्रभा उत्ताराध्ययु सूत्र के श्लोक का वर्णन करतें हुए बताया कि सेवा करने वाले मनुष्य की भगवान भी रक्षा करते है उसे चिंता करने की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि सेवा फल बड़ा होता है। बड़ों के प्रति आदर और सम्मान कि भावना होगी ऐसा इंसान ही सेवा करता है और ऊंचाइयों को छूता है। साहुकारपेट श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया कि दिनांक 18 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक साहुकारपेट जैन भवन मे प्रातः 8:30 से भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्ताराध्यय सूत्र का महासती धर्मप्रभा जी द्वारा वांचन प्रांरभ किया जाएगा। धर्मसभा में अनेक बहनो और बच्चों ने छोटे बड़े प्रत्याख्यान लिए, उन सभी का श्री संघ के मंत्री सज्जनराज सुराणा,शम्भू सिंह कावड़िया, जवरीलाल कटारिया,पृथ्वीराज वाघरेचा तथा महिला मंडल की बहनों ने त्याग प्रत्याख्यान लेने वालो का स्वागत किया गया।

# भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान विषयक मासिक ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन

**अयोध्या. शाबाश इंडिया।** जेएएस एकैडमी और श्री आदिनाथ मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान विषयक मासिक ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन। व्याख्यानमाला 14 अक्टूबर को अयोध्या के सांस्कृतिक इतिहास पर वरिष्ट इतिहासकार डा.संजय सोनवानी का व्याख्यान दिया। आपने बताया भारतीय संस्कृति की शुरूआत अयोध्या से ही हुई है और अयोध्या के प्रथम राजा भगवान ऋषभदेव ने जगत को असि मसि कृषि विद्या वाणिज्य शिल्प आदि सभी तरह की कला सिखाई। भगवान ऋषभदेव का ही पुत्र भरत था जो प्रथम चक्रवर्ती सम्राट हुआ और तभी से यह देश भारत कहलाया । कुछ लोग दुष्यंत पुत्र भारत से भारत होना मानते हैं या ऋग्वेद में उल्लेखित भरत जनों से भारत का आधार मानते हैं यह दोनों विचार साहित्य और पारंपरिक प्रमाण के अभाव में तथ्यात्मक नहीं है। साहित्यिक प्रमाण के साथ 2200वर्ष प्राचीन खारवेल के शिलालेख में भारतवर्ष शब्द उल्लेखित है । साथ ही अयोध्या डा बी बी लाल को मिली 2400 प्राचीन जिन केवलिन की मृणमूर्ति भारत में प्राचीनतम जैन प्रतिमा है। डॉक्टर नरेंद्र भंडारी निदेशक जेएस ने बताया की इस तरह के काफी प्रमाण अब मिलने लगे हैं जिनसे जैन धर्म की प्राचीनता सिद्ध होती है। अतः हमें इन प्रमुख प्रमाणो के आधार पर पाठ्य पुस्तकों में संकलित किए जाने के लिए प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉक्टर रेखा जैन ने बताया की अनेक जगहों पर ऐसे ऐतिहासिक पुरातात्विक संदर्भ उपलब्ध है जो लिखित जैन परंपरा की पुष्टि करते हैं। हमें प्रयास करना चाहिए की इन प्रमाणों के साथ-साथ विद्वानो को संगोष्ठी करके उनके विचार विमर्श करके इनको वैश्विक रूप से प्रचार प्रसार करना चाहिए । मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने कहा कि हमारे इतिहास की जानकारी आम लोगो तक पहुचाने के लिए स्कूल और कॉलेज में जैन चेयर और कोर्स और पारंपरिक शिक्षा दिये जाने की आवश्यकता है जिसके लिए समाज के लोगो को इसके लिए प्रयास करने चाहिए तभी यह उद्देश्य सफल होगा। कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र कुमार जैन ने कहा कि अयोध्या के पुरातात्व से लिखित जैन परंपरागत मान्यताओ का समर्थन तो होता ही है साथ ही उपलब्ध पुरातात्व से यह भी स्पष्ट होता है कि अति प्राचीन काल से जैन दर्शन का प्रमुख केंद्र रहा अयोध्या जिसको मैने अपने शोध लेखो मे सप्रमाण उल्लेखित किया है। मंगलाचरण कर कार्यक्रम का संचालन डा सुदेशी जैन ने किया। अनेक सदस्यों ने कार्यक्रम मे आनलाइन जुड़कर इसे सफल बनाया।

# विद्वत परिषद के महाधिवेशन में खजुराहो में मंदिरों के अधिग्रहण तथा सम्मेद शिखर जी में रोपवे निर्माण का विरोधः कार्यवाही की मांग

**सनावद. शाबाश इंडिया।** जैन समाज की सर्वाधिक प्राचीन विद्वानों की संस्था अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद का 41 वॉ साधारण सभा का अधिवेशन अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार जैन वाराणसी की अध्यक्षता में हरिपर्वत आगरा में लगभग 200 प्रमुख जैन विद्वानों, सैकड़ो समाजसेवियों एवं उपस्थित जन समुदाय के बीच संपन्न हुआ। जिसमें परिषद के विद्वानों ने मध्य प्रदेश के प्रमुख तीर्थ खजुराहो के जैन मंदिरों पर अतिक्रमण तथा अधिग्रहण, झारखंड के प्रमुख तीर्थ स्थल सिद्ध भूमि सम्मेद शिखरजी पर रोपवे निर्माण तथा गुजरात के गिरनार क्षेत्र पर भगवान नेमिनाथ स्वामी की निर्वाण भूमि पर असामाजिक लोगों द्वारा अतिक्रमण तथा दर्शन, पूजन से रोकने पर तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए संबद्ध सरकारों से शीघ्र पहल कर जैन धर्म के तीर्थों तथा प्राचीन मंदिरों के संरक्षण की पुरजोर मांग की गई। परिषद के उपाध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र भारती बुरहानपुर, महामंत्री विजय जैन लखनऊ तथा स्थाई सदस्य डॉ नरेन्द्र भारती सनावद ने बताया कि पर्यटन तथा पुरातत्व विभाग द्वारा खजुराहो में अन्य मंदिरों के साथ प्राचीन जैन मंदिरों को भी पुरातत्व विभाग अपने कब्जे में लेने की कार्यवाही कर रही है जिससे मंदिरों में अभिषेक, पूजा पाठ की प्रक्रिया का उल्लंघन होगा। इसी तरह शिखरजी में रोपवे निर्माण से मंदिरों और की पवित्रता नष्ट होगी। गिरनार क्षेत्र पर भगवान नेमिनाथ स्वामी के चरणों की वंदना में भी असामाजिक लोगों द्वारा धमकियां दी जाती है अतः परिषद के अधिवेशन में केंद्रीय सरकार तथा राज्य की सरकारों से इन तीर्थो तथा मंदिरों का स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने तथा संरक्षण की पुरजोर मांग की गई।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर का डांडिया कार्यक्रम संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर का कार्यक्रम जयपुर के होटल शकुन में डांडिया कार्यक्रम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथी रितु कासलीवाल, प्रिया बड़जात्या संपत दुग्गड़ की गरिमामई उपस्थिति रही । सचिव सुनीता गंगवाल के शानदार मंच संचालन के साथ संगिनी के कार्यकर्ताओं को भी शपथ दिलाई गई कार्यक्रम को डांडिया की शानदार खेल कड़ी के रूप में पिरोया कार्यक्रम संयोजक बबीता अलका शीला अंजना के द्वारा। कोषाध्यक्ष उर्मिला ने बताया की कार्यक्रम में बेस्ट ड्रेस के पुरस्कार लक्ष्मी अर्चना और अलका को दिये गये बेस्ट डांस का पुरस्कार प्राची जैन को दिया गयाऔर लकी ड्रा का पुरस्कार सविता पिंकी को दिए गए। कार्यक्रम मेंअध्यक्ष मंत्री सहित कार्यकारिणी सदस्यों को सुरेंद्र पांड्या के द्वारा शपथ दिलाई गई और कार्यक्रम में नवीन जैन सेन, अनिल जैन, अतुल बिलाला शशि सेन, मृदुला पांड्या की भी ओजस्वी उपस्थिति रही। अर्चना चित्रा बीना अंजना अनिता लता आदि सहित संगिनी के लगभग 40 सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए सब ने हवा में डांडिया लहराते हुए जमकर डांडिया खेला गरबा की प्रस्तुतियां दी और शकुन होटल के सुस्वादिष्ट लजीज व्यंजन एवं भोजन का भरपूर आनंद लिया अंत में सभी उपस्थित गण मान्य सदस्यों का शकुंतला बिंदायका ने आभार व्यक्त किया।

## वृहद तीन लोक महामंडल विधान का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** पुण्य वर्धक वर्षायोग 2023 के निमित्त साधनारत परम पूज्य आचार्य श्री नवीन नन्दी जी महाराज के पावन सानिध्य एवं मार्ग दर्शन में णमोकार भवन में वृहद तीन लोक महा मंडल विधान का आयोजन सम्पन्न किया जा रहा है। इसी क्रम में नवरात्री काल में महाआरधना की शुभ बेला में प्रतिदिन मातेश्वरी महा मानसी देवी ' पद्मावती देवी ' सरस्वती देवी महालक्ष्मी देवी आदि की अलंकार पूजन एवं महाआरधना वर्षायोग स्थल पर की जाएगी । आज सौभाग्यवती पूजार्थी महिलाओ ने माताओं की गोद भराई व श्रंगार से अलक्रित किया जो धमार्नुरागी मातारानी की गोद भराई व श्रृंगार करना चाहे तो अपना नाम वषायेाग समिति या पूज्य महाराज श्री तक पहुंचा ने का श्रम करें।

## मुनि श्री ने मदरसे में दिया संस्कार प्रवचन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** मदरसा के छात्र छात्राओं ने मुनि तत्व रुचिजी से लिया ईमान के रास्ते चलने और नशामुक्त रहने का संकल्प। विद्याधर नगर सेक्टर 8 स्थित मुस्लिम स्कूल ''मदरसा फौज ए आम'' ने अणुव्रत समिति जयपुर द्वारा ''विद्यार्थी चरित्र निर्माण अभियान'' के चतुर्थ कार्यक्रम के अन्तर्गत मुनीश्री तत्व रुचिजी तरुण ने मुस्लिम बालक बालिकाओ को ईमान पर चलने और नशामुक्त रहने के संकल्प करवायें साथ ही व्यक्तित्व विकास के लिए जीवन विज्ञान की जानकारी देते हुए प्रेक्षाध्यान के प्रयोग भी करवायें। अणुव्रत समिति के सदस्य, सुरेंद्र जैन बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर मोहम्मद सदर हुसैन सचिव, मोहम्मद इखितयार खान कैशियर, इम्मामुद्दीन मौलवी उपस्थित थे । आभार ज्ञापन तेरापंथी सभा के मंत्री सुरेन्द्र सेखानी ने किया।

## भगवान मुनिसुव्रतनाथ का किया गया महामस्तिकाभिषेक

**टीकमगढ़. शाबाश इंडिया।** नगर की पारस विहार कालोनी के जैन मंदिर मे विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम हर्षोल्लास उमंग के साथ पारस विहार कॉलोनी के जैन मंदिर में विजारित शनि अरिष्ट, निवारक,विघ्न विनाशक,शांति प्रदायक मूलनायक भगवान श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ जी का महामस्तिकाभिषेक परम पूज्य श्रमनोपाध्याय श्री विकसंत सागर जी महाराज के ससंघ मंगल पावन सानिध्य में किया गया। प्रातःकाल ध्वाजारोहण, नित्य नियम सामूहिक अभिषेक शांतिधारा, महामस्तकाभिषेक चित्र अनावरण, गुरुदेव का पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। तत्पश्चात पूज्य महाराज श्री ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि संसार में प्राणियों को संयोग-वियोग लाभ-अलाभ सुख-दुख तथा मान अपमान अवश्य ही होते हैं। अब चिंतवान करो कि संसार में



सुख कितना है और दुख कितना है फिर भी कर्म का ही उदय कह सकते हैं कि ऐसा आशुभ कर्म का उदय चल रहा है उसके भाव कल्याण के नहीं हो रहे हैं। कौन नहीं जानता कि इसमें सुख नहीं है? सुखाभास है? कौन नहीं जानता के परिवार के लोग स्वार्थी हैं? कौन नहीं जानता कि इसमे सुख अल्प है? और दुख अधिक है? कौन नहीं जानता कि संसार में संसारी जीवो को श्राणिक सुख है।सभी का वात्सल्य भोजन की व्यवस्था महावीर विहार कॉलोनी एवं पारस विहार कॉलोनी समाज की ओर रखी गई। कार्यक्रम मे टिंकू जैन बिलगाय,महेन्द्र जैन शिक्षक डिकोली, विनोद जैन,पवन जैन, वीरेन्द्र सापोन, माया जैन, अमन जैन, बिट्टू जैन आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

# रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ का डांडिया 23 अक्टूबर को

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ, भारतीय जैन मिलन जिला जयपुर एवं नेमिनाथ युवा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में होने जा रहे ' विशाल डांडिया महोत्सव' की तैयारी को मूर्त रूप देने के लिए सभी डांडिया संयोजक सदस्यों की फैमिली गेट टूगेदर मीटिंग 14 अक्टूबर शाम 8:00 बजे बावर्ची रेस्टोरेंट एंड कैफे 80 फीट रोड महेश नगर पर आयोजित हुई। मीटिंग में डांडिया महोत्सव को भव्य रूप में मनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए इसके साथ ही डांडिया के पोस्टर का विमोचन डॉक्टर अर्चना शर्मा के द्वारा किया गया रोटरी क्लब के सचिव और भारतीय जैन मिलन जिला जयपुर के अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया की 23 तारीख को होने वाले डांडिया महोत्सव मे सभी सदस्यों के लिए एक सप्ताह ( 16 से 22 अक्टूबर ) की डांडिया प्रशिक्षण कार्यशाला भी कार्यक्रम स्थल पर रखी गई है।

# हृदयाघात (हार्ट अटैक) से लोग एक झटके में ही क्यों मर जाते हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

हार्ट अटैक से लोग एक झटके में मरते नहीं है उस समय ब्लॉकेज के कारण धड़कने बंद हो जाती हैं सांस रुक जाते हैं परंतु इंसान मरा नहीं है, 5 मिनट तक वह जिंदा रहता है, 5 मिनट के अंदर अंदर अगर हम अदरक का रस आधी चम्मच उसके मुख में डाल दें तो वह फिर से जिंदा हो जाएगा या लाल मिर्च पाउडर एक चुटकी एक चम्मच पानी में घोलकर उसके मुख में डाल दें तो उसकी सांस चलने लग जाएगा और यदि कहीं बाहर हैं और समय पर अदरक और मिर्च ना हो तो, कोई हार्ट पंपिंग करना अगर जानता है तो उसे लेटा कर उसके सीने के बीच से दो आधी इंच वाये में हाथ रखकर 1 मिनट में कम से कम 90 से 100 बार पंपिंग होना चाहिए तो वह प्राणी जिंदा हो जाएगा यह क्रिया कम से कम 15 मिनट करना चाहिए 15 मिनट के अंदर अंदर ही वह फिर से जिंदा हो जाएगा परंतु यह क्रिया करते समय रुकना नहीं है कोई दूसरा आदमी हो ताकि पहला जो थक गया तो दूसरा आदमी करें फिर वह थक गया तो तीसरा आदमी करें तो वह जिंदा हो जाएगा अगर लाल मिर्च अदरक समय पर अवलेबल ना हो तो यह क्रिया कर सकते हैं। यह पंपिंग सीखने के लिए आप यूट्यूब पर गूगल पर सर्च करके देख सकते हैं सीख लीजिए कभी वक्त पर काम आएगा। किसी की जान बच जाए आप की वजह से इससे बड़ी उपलब्धि क्या हो सकती है।

# उत्कृष्ट दस्तकार एवम शिल्पियों द्वारा अपनी कला का लाइव डेमो

**जयपुर. कासं।** राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कारों से सम्मानित उत्कृष्ट दस्तकार एवम शिल्पियों की श्रेष्ठ कलाकृतियों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी जवाहर कला केंद्र की सुरेख कला दीर्घा में 13 अक्टूबर से चल रही है जिसका समापन आज हुआ। इस बहुप्रतीक्षित कला प्रदर्शनी में कलाकारों ने विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया। ब्लू पॉटरी जयपुर के शिल्पगुरु गोपाल सैनी, मिनिएचर पेंटिंग के शिल्पगुरु कैलाश चंद शर्मा, चंदन लकड़ी कार्विंग के शिल्पगुरु विनोद जांगिड, मीनकारी के राष्ट्रीय पुरस्कृत मुकेश मीनकार, जेम स्टोन कार्विंग के राष्ट्रीय पुरस्कृत पृथ्वीराज कुमावत, तारकशी के राष्ट्रीय पुरस्कृत राजेश कुमार जांगिड़, चांवल पर सूक्ष्म लेखन राज्य पुरस्कृत निरु छाबडा, राज्य पुरस्कृत मूर्तिकार सुनील प्रजापति, जैम स्टोन पेंटिंग राज्य पुरस्कृत सुनीश मारू , मोजैक आर्ट की शिल्पी सीमा जैन, जेम स्टोन कार्विंग के शिल्पकार देवल कुमावत कॉर्डिनेटर प्रदीप कुमार छाबड़ा ने बताया कि इस हस्तशिल्प प्रदर्शिनी और लाइव डेमो को देखने के लिये दिन भर कला प्रेमियों का तांता लगा रहा। गलता महंत अवधेश जी आचार्य, वरिष्ट पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा, सांसद राम चरण बोहरा, संपादक महानगर टाइम्स गोपाल शर्मा, प्रेरणा श्रीमाली व अन्य प्रबुद्धजनों ने आज कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और पंजिका पुस्तिका में हस्ताक्षर दिए।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# जेस फरीदाबाद निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित

## हर पल सकारात्मक सम्भावनाओं से भरा है :स्वामी निजामृतानन्द पुरी जी

**फरीदाबाद**

जैन इंजिनियरस सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मनित करते हुए अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद के प्रशासनिक निदेशक व पूज्य अम्मा के वरिष्ठ शिष्य स्वामी निजामृतानन्द पुरी जी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति में सकारात्मक परिवर्तन की संभानाये सदैव रहती हैं, श्रेष्ठ गुरु, संकल्प शक्ति व सततता से यह संभव हो सकता है. अतः बिना निराश व हताश हुए हमें सृजन पथ पर दृन संकल्प से बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। विगत दिनों आयोजित निबंध प्रतियोगिता के परिणाम अगस्त 23 में घोषित किये गए थे जिसमें लगभग 40 हजार रुपए की राशि विजेताओं को प्रदान की गयी । प्रथम पुरस्कार दिल्ली अमृता विद्यालय की मेधावी छात्रा कुमारी जिया मिश्रा, ललितपुर उ प्र की कु. पलक जैन व फरीदाबाद की श्रीमती रेखा जैन को मिले। प्रत्येक को रु 5100/- की राशि, प्रशास्ती पत्र, अंग वस्त्र, साहित्य व अलंकरण प्रदान किये गए। 25 अन्य प्रतियोगियों को भी पुरस्कार प्राप्त मिले। कार्यक्रम का शुभारम्भ पूज्य अम्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। स्वामी निजामृता नन्द पुरी जी, डॉ, इंजिनियर सुभाष जैन, स्वामिनी चैतन्यमृता, स्वामिनी ललितामृता, ब्रह्म.अनिल जी, श्री दिनेश जैन व जेस फरीदाबाद के सदस्यो ने किया. संस्था के

अध्यक्ष इंजिनियर अरुण कुमार जैन ने अतिथियों का परिचय देते हुए सभी का स्वागत करवाया। जेस फाउंडेशन व जेस फरीदाबाद की उपलब्धियों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण व स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु संस्था देश भर में कार्यरत है । फरीदाबाद में श्रमिक बच्चों की शिक्षा, वस्त्रदान, ठन्डे जल व्यवस्था, अन्न दान व वृक्षरोपण के कार्य संस्था कर रही है। पुरस्कारो की घोषणा ब्रम्ह. गुरमृता दीदी ने की। कुमारी जिया मिश्रा, श्रीमती रेखा जैन, कुमारी पलक जैन, डॉ चेतना उपाध्याय अजमेर, श्रीमती आशा शैली लालकुंवा, डॉ राकेश चक्र मुरादाबाद, कु. सयोना जैन गाजियाबाद, निधि पाटनी नागपुर, श्रीमती बुशरा तबस्सुम, गोकुल सोनी, इंद्रजीत कौशिक बीकानेर डॉ शोभा जैन इंदौर, डॉ अमिता दुबे लखनऊ, डॉ देवेंद्र कौर होरा इंदौर, श्रीमती मीरा जैन उज्जैन आदि पुरस्कृत जनों में हैं। सम्मनित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि माता, पिता स्वयं भौतिकता, नेट,किटी पार्टी,आधुनिकता के पीछे भागते हुए श्रेष्ठ संतनो की अपेक्षा रखें तो यह संभव नहीं है.उन्हें भी श्रेष्ठ, सदाचारी बनना होगा. माँ का बच्चों के व्यक्तित्व विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है अतः उन्हें अपने कार्यकलापो के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है.श्रीमती चेतना उपाध्याय ने कहा हर निशा के पश्चात उषा का आना सुनिश्चित है अतः निराश न हों। डॉ सुभाष जैन संरक्षक जेस ने भी प्रेरक विचार व्यक्त किये। स्वामी निजामृतानन्द पुरी जी ने कहा कि हो सकता है कि विभिन्न कारणवश किसी समय बच्चों के सफल विकास में अवरोध आया हो पर हर व्यक्ति में सुधार की सदैव सम्भावना है. प्रेम, नेह, अनुराग, आत्मीयता व अनुशासन से उनमे सृजनशीलता, धैर्य, साहस, सदगुणो का समावेश किया जा सकता है। संस्था की ओर से एक प्रेरक प्रतीक चिन्ह स्वामी जी को भेंट किया गया। इंजिनियर डी के जैन, इंजिनियर मनोज जैन, सुरेंद्र जैन ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में इंजिनियर प्रमोद ऊर्जा अमृता हॉस्पिटल, इंजिनियर एस. के. जैन NTPC, इंजिनियर, डॉ सुभाष जैन गुरूजी, श्रीमती रिया अम्बर जैन, श्री सुरेंद्र जैन का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन इंजिनियर अरुण कुमार जैन ने किया। अमृता हॉस्पिटल के सेमिनार हाल व इसके 1 करोड़ वर्गफुट के भव्य परिसर में सभी को अलौकिक ऊर्जा व सकारात्मकता की अनुभूति हुयी लवण जैन इंग्लैंड, कर्नल गोपाल कृष्णन, राकेश सल्होत्रा, संजीव अग्रवाल, रत्न प्रकाश के साथ साथ देश भर के प्रबुद्ध जन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

# वीआरजी इमेजिंग एंड रिसर्च सेंटर प्रा.लि पुरस्कृत

## डायरेक्टर सुनील जैन और उषा जैन ने ग्रहण किया पुरस्कार

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** वीआरजी इमेजिंग एंड रिसर्च सेंटर प्रा.लि.को सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता जूरी पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार गत 6 अक्टूबर को वियतनाम के हनोई शहर के होटल ग्रैंड प्लाजा में एम्प्लॉयर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की ओर से हुए समारोह में दिया गया। यह पुरस्कार आईएफएस डिप्टी चीफ ऑफ इंडियन मिशन सुभाष सी. गुप्ता ने डायरेक्टर सुनील जैन और उषा जैन को प्रदान किया। इस मौके पर ईएआर के अध्यक्ष एनके जैन, ईएआर के चीफ एडवाइजर डॉ.एके जैन समेत राजस्थान इंडस्ट्री के लीडर्स मौजूद रहे। गौरतलब है कि बीआरजी इमेजिंग एंड रिसर्च सेंटर प्रा.लि. बगरू, जयपुर में एक अत्याधुनिक सुविधा के साथ संचालित हो रहा है। इसने राजस्थान प्रदेश में अपनी सबसे उन्नत पहली मेडिकल साइक्लोट्रॉन स्थापित की है। वीआरजी में दशकों के अनुभव वाले निदेशकों और उद्यमियों की टीम है। यह स्वास्थ्य सेवा उद्योग, उच्च गुणवत्ता और नवीन समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह विश्वसनीय और प्रभावी निदान के साथ चिकित्सीय रेडियो फार्मास्यूटिकल्स प्रदान करके रोगी की देखभाल में सुधार लाने पर केन्द्रित है। निदेशकों की टीम में सुनीता जैन,रंजन काबरा, व डॉ आभा गुप्ता स्वास्थ्य सेवा उद्योग में अनुभवी पेशेवर विशेषज्ञ शामिल हैं। उनका सामूहिक ज्ञान और विशेषज्ञता कंपनी को एक मजबूत आधार देती है। शुबहा नहीं कि वीआरजी इमेजिंग एंड रिसर्च सेंटर प्रा.लि. रेडियो- फार्मास्युटिकल विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बन गया है। यह रेडियो फार्मास्यूटिकल्स के निर्माण के लिए आवश्यक नवीनतम तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित है। इसकी विनिर्माण प्रक्रियाएं गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) दिशानिदेर्शों के अनुरूप हैं।

# जगतपुरा मे अग्रसेन जयंती बड़ी धूम धाम से मनाई

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

अग्रवाल समाज सेवा समिति जगतपुरा द्वारा अग्रसेन जयंती का भव्य आयोजन गौरांग पैराडाइज जगतपुरा में किया गया क आयोजन की शुरूआत प्रात प्रभात फेरी से की गयी उसके बाद समिति के द्वारा हवन किया गया और दोपहर 2 बजे से महाराज अग्रसेन की शोभायात्रा ठफ्क चौपाटी से होती हुई गौरांग पैराडाईज जगतपुरा पहुची, शोभायात्रा का अलग अलग जगह समाज के व्यक्तियों द्वारा स्वागत किया गया कइस आयोजन में समाज के लगभग 1500 व्यक्ति सम्मिलित हुए, एवम प्रसादी ली कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश गुप्ता, अध्यक्ष राजस्थान राज्य अग्रसेन कल्याण बोर्ड रहे कसमिति द्वारा प्रतिभावान छात्रों और समाज के वरिष्ठ व्यक्तियों का सम्मान किया गया और समिति की वेबसाइट को भी इस मौके पर लॉन्च किया गया। समाज के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, महामंत्री पुनीत अग्रवाल, महिला मंडल अध्यक्ष शेफाली जैन, महामंत्री अनिता फतहपुरिया सभी का धन्यवाद ज्ञापित । जय महाराजा अग्रसेन।

# सकल जैन समाज कीर्ति नगर जयपुर का सामूहिक क्षमावाणी एवं सम्मान समारोह-कुटुंब सम्पन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सकल कीर्ति नगर जैन समाज का सामूहिक क्षमावाणी एवं सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 15 अक्तूबर 23 को आगरा रोड स्थित जामडोली फोर्ट पर शानदार रूप में आयोजित किया गया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर के प्रचार प्रसार मंत्री प्रेम जैन ने बताया कि समारोह का आयोजन प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति और महिला मण्डल द्वारा किया गया । समिति के महामंत्री जगदीश जैन ने बताया की समारोह में समाज के 85 वर्ष के वर्द्धजन का सम्मान , दसवी और बाहरवी कक्षा में 85% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान और जिन बच्चो ने इस वर्ष कोईभी प्रोफेशनल डिग्री ली है उनको भी सम्मानित किया गया । महिला मंडल की महामंत्री रीटा छाबड़ा और प्रचार प्रसार मंत्री शिप्रा बैद ने बताया की समारोह में कुटुंब थीम पर संगीतमय हाऊजी का आयोजन किया गया जिसका लोगो ने जमकर आनंद लिया। इस अवसर पर दस लक्षण महापर्व पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रस्तुत करने वाले संयोजकों और प्रतियोगियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन अक्षया सेठी ने किया । मन्दिर कमेटी के आशीष बैद ने बताया कि समारोह के समाज के करीब 550 परिवार से 1500 से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया। कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया और भविष्य में इस तरह के और आयोजन करने का विश्वास दिलाया।

# एमडी जैन इंटर कॉलेज में चल रहा है अमृत सुधा कला उत्सव का आयोजन

**आगरा. शाबाश इंडिया**

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं श्रीमती पुष्पा पांड्या के कुशल निर्देशक में 13 अक्टूबर से आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अमृत सुधा कला उत्सव का आयोजन चल रहा है। मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज को समर्पित यह अद्भुत आयोजन बावनगजा, श्रवणबेलगोला, खजुराहो,कुंडलपुर के बाद अब ऐतिहासिक शहर आगरा में हो रहा है जिसमें कला उत्सव के चौथे दिन 16 अक्टूबर को इंदौर,जयपुर,दिल्ली गुजरात,भोपाल के चित्रकारों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं मुनिपुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज एवं दिल्ली का लाल मंदिर और कुंडलपुर के बड़े बाबा भगवान आदिनाथ की प्रतिमा एवं जैन तीर्थक्षेत्र पर आधारित पेंटिंग बनाई वही कलां उत्सव के इस संगम का आनंद लेने के लिए ललित कला संस्थान के छात्र-छात्राएं भी इस आयोजन में शामिल हुए जहां उन्हें सीनियर कलाकारों से काफी कुछ सीखने को मिलो इस दौरान सांसद राजकुमार चाहर अमृत सुधा कला महोत्सव में अनूठी कला एवं कला कृतियों का निरीक्षण कियो इस अवसर पर चित्रकार डॉ रघुवीर गोरखपुर, उमेन्द्र वर्मा ग्वालियर, मनीष चंदेरिया ग्वालियर, संतकुमार जयपुर, मुकेश कुमार राजस्थान कृष्ण

कुदेरा, जयपुर, प्रसद थिटे पुणे,नवनाथ आर. क्षीरसागर अतुल गेंदले पुणे, संयोजिका पुष्पा पांड्या,मीडिया प्रभारी शुभम जैन समस्त श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे। **रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन**

# दिल्ली NCR से आए जैन समाज के हजारों लोगो ने हरी पर्वत प्रवचन मंडप में श्री गिरनार सिद्ध क्षेत्र के लिए आवाज उठाई

**राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया**

**आगरा।** अनंत जैन अध्यक्ष दिगंबर जैसवाल जैन सभा जिला आगरा ने बताया कि सबसे शांतिप्रिय जैन समाज 17 दिसंबर 2023 को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बार फिर अपना विरोध प्रदर्शन करने जा रहा हैं। विश्व जैन संगठन प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू बताया कि इसका संयोजन कर रहा हैं और सभी संतो से इसके लिए आशीर्वाद ले रहा हैं। इसी श्रृंखला में दिल्ली से हजारों की संख्या में जैन समाज के लोग 14 अक्टूबर को आगरा में परम पूज्य निर्यापक मुनि श्री 108 सुधा सागर जी महामुनिराज से मार्गदर्शन व आशीर्वाद लेने आए। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में जैन समाज को अपने तीर्थ क्षेत्रों के संरक्षण हेतु प्रयास करते रहने का उपदेश देते हुए कहा कि सरकार को न्यायालयों के आदेशों का पालन करना चाहिए, कानून लोगो सुरक्षा के लिए हैं ना की कानून तोड़ने वालो की सुरक्षा के लिए। सरकार को जैन समाज के तीर्थ जैन समाज को सुपुर्द करने के लिए कार्य करने चाहिए। प्रमाणिकता के आधार पर जैन समाज अपने तीर्थंकरों की मोक्षस्थली पर पूर्ववत पूजा के अधिकार मांग रहा हैं। संजय जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व जैन संगठन ने कहा कि हम जैन अपने तीर्थो के लिए प्राण तक न्यौछावर करने को तैयार हैं। जैन तीर्थंकर नेमीनाथ की मोक्षस्थल गिरनार जी सिद्ध क्षेत्र की 5वी टोंक पर अवैध अतिक्रमण हटाकर सुरक्षित पूजा दर्शन हेतु पुलिस, प्रशासन और पुरातत्व विभाग की मिलीभगत के चलते कोर्ट के आदेशों को भी सरकार लागू नहीं करवा पा रही हैं। गौरतलब है की जैन ग्रंथो में जैन श्रावकों को विरोधी हिंसा में राष्ट्र, धर्म, परिवार, संतो और तीर्थो की रक्षा के लिए तन बल और तलवार बल से तैयार रहने का निर्देश हैं और सरकार को जल्द से जल्द जैन तीर्थ को अतिक्रमणकारियो से मुक्त कराने की अपील की। इसी श्रृंखला में श्रीमति रुचि जैन, संयोजिका - महिला प्रकोष्ठ, विश्व जैन संगठन का सम्मान जैन महिला मंडल द्वारा किया गया। विश्व जैन संगठन के सहयोगी खतौली, नोएडा, गुलाब वाटिका, राम पार्क, बलबीर नगर, कैथवाड़ा, विश्वास नगर जैन समाज, वीर धवल सेना सरधना और दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए जैन तीर्थ रक्षकों ने मुनि श्री के चरणों में अर्घ समर्पित किया। आकाश जैन राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ने बताया तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ सभा का आयोजन आगरा में हुआ । और आगरा जैन समाज ने संगठन को 17 दिसंबर को रामलीला मैदान, नई दिल्ली अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आश्वासन दिया। संगठन के सरक्षक गोल्डी जैन, उपाध्यक्ष यश जैन, मंत्री मनीष जैन, प्रचार मंत्री प्रदीप जैन व अन्य पद अधिकारियों और गुलाब वाटिका के निगम पार्षद रिंकू जैन, नीरज जैन व अरविंद जैन विश्वास नगर ने आगरा जैन समाज को सम्मान के लिए आभार प्रकट किया।

# भक्ति के साथ श्रद्धा की है जरूरत : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

**गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया**

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी की पावन धरा पर दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान के दूसरे दिन प्रातःकालीन अभिषेक शान्तिधारा का सौभाग्य पुण्यार्जक परिवारों ने प्राप्त किया। दोपहर 12 बजे से श्री नवग्रह महार्चना करने का सौभाग्य पुण्यार्जक सतीश बिंदायका निर्माण नगर जयपुर व राजेश बंटी झांझरी निवाई को मिला । निवाई समाज ने एकत्रित होकर प्रतिष्ठाचार्य विमल बनेठा व संगीतकार के संगीत की धुन पर सभी भक्तों ने आनंदित होकर प्रभु शांतिनाथ के चरणों की भक्ति की । प्रभु की भक्ति के लिए निवाई ही नहीं अपितु जयपुर , चाकसू आदि आस - पास के सभी भक्तों ने सम्मिलित होकर आराधना की । गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने सभी को सम्बोधन देते हुए कहा कि - भक्ति में ही शक्ति है । भक्ति के माध्यम से विपरीत से विपरीत परिस्थितियों को भी अनुकूल बनाया जा सकता है । मैना सुंदरी ने भक्ति के द्वारा 700 कोढियों का कुष्ट रोग दूर किया था । सीता सती ने अग्नि का जल बनाया था । बस भक्ति के साथ जरूरत है श्रद्धा की । श्रद्धा के साथ कि गई भक्ति अवश्य फलीभूत होती है । इस भक्ति के द्वारा ही हम अपने कर्मों का क्षय करके एक दिन अपने असली स्वरूप को प्राप्त कर भगवान बन जाएंगे।

## भव्य व विशाल गरबा रास का आयोजन

**ब्यावर. शाबाश इंडिया।** शहर के प्रमुख चिकित्सक व समाजसेवी डॉ. राजीव जैन ने कहा कि माँ दुर्गा भक्ति और शक्ति की प्रतीक है। इनकी आराधना से मन को शांति, शरीर निरोगी, परिवार की प्रगति संभव है। उन्होंने सभी से पर उपकार, जनहित कार्य तथा एक दूसरे की सहायता करने की अपील की। डॉ. जैन साकेत नगर हाउसिंग बोर्ड स्थित उद्यान में एकता सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य व विशाल गरबा रास आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। डा. जैन ने सुन्दर उद्यान, भव्य व विशाल आयोजन के लिए समिति के सदस्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा शहर के प्रत्येक वार्ड में ऐसे उद्यान होने की आवश्यकता बताई। समारोह के आयोजक राकेश बागड़ी ने बताया कि नौ दिवस तक माता दुर्गा की निरन्तर अराधना, आरती तथा गरबा नृत्य का आयोजन होगा। इस मौके पर संस्था के संरक्षक विमल चौहान, हीरा सिंह रावत, विजय सिंह चौहान का समिति के नटवर रावत, राकेश, बागड़ी, मनीष, सहित अन्य पदाधिकारियो ने साफा व माला पहना कर अथितियों का स्वागत किया।

## युवा परिषद् मालवीय नगर संभाग की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** अखिल भारतवर्षीय दि जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन ने मालवीय नगर संभाग का किया गठन इसमें मालवीय निवासी रविंद्र बिलाला अध्यक्ष राकेश कासलीवाल उपाध्यक्ष जिनेन्द्र जैन मंत्री प्रदीप मोहन कासलीवाला कोषाध्यक्ष अमित तेरापथी विवेक जैन संयुक्त मंत्री संजय बिलाला निलेश गंगवाल संगठन मंत्री प्राची जैन सांस्कृतिक मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्य के लिए निक्की वैद डा सुनील जैन कमल बड़जात्या रेखा जैन बबिता जैन रिंकू जैन को नियुक्त कर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया इस अवसर पर प्रदेश मंत्री विनोद पापडीवाल प्रमुख समाजसेवी दर्पण बिलाला महिला मण्डल महामंत्री अनीता जैन ने बधाइयां दी।